By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political Science

Lecture-1

Topic – Comparative Study of U.K & U.S.A party system

Class – B.A. Degree – II (sub.) – unit-6

Subject – Political science

Date – 13 May, 2020.

By Rahul kumar Jha.

यू.के. और यू.एस.ए. दलीय पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन :–

वैसे तो अमेरिकी और ब्रिटिश दलीय पद्धतियाँ कई अर्थों में एक-दूसरे से मिलती है, फिर भी इन दोनों पद्धतियों में अंतर है–

1) सैद्धांतिक आधार पर :– ब्रिटेन में राजनीतिक दल सिद्धांत के दल हैं। वे किन्हीं साधारण और निर्धारित राजनीतिक मूल्यों के नाम पर सरकार चलाने या सरकार का विरोध करने का प्रवर्तन करते हैं। उनके विभिन्न स्वार्थों के ऊपर सामाजिक उद्देश्य होता है। दूसरी तरफ अमेरिकी राजनीतिक दलों में एक सुपरिभाषित और व्यापक सामाजिक उद्देश्य का अभाव पाया जाता है। उनकी नीतियों के पीछे कोई एक उद्देश्य का अभाव

पाया जाता है।

ii) संगठन और अनुशासन की दृष्टि से - ब्रिटेन के दल अधिक संगठित होते है तथा उनमें अधिक अनुशासन रहता है। सिद्धांतों के स्थायित्व के चलते ब्रिटिश दलों में नेतृत्व का भी स्थायित्व हो होता है उनमें विपरीत अमेरिका में दलों का कोई स्थायी नेता नहीं होता। वह अवधि जो राष्ट्रपति होता है अपने कार्यकाल के दौरान दल का सबसे प्रभावशाली नेता होता है। उसकी कार्यविधि की समाप्ति के साथ ही उसका नेतृत्व भी समाप्त हो जाता है।

iii) द्विदलीय प्रथा के स्थायित्व की दृष्टि से - अमेरिका में द्विदलीय प्रथा इंग्लैंड की द्विदलीय प्रथा से अधिक स्थायी है। इंग्लैंड में दल क्षेत्र विशेष में प्रतिनिधि के माध्यम से प्रभुत्व स्थापित करता है जबकि यू.एस.ए में राष्ट्रपति किसी एक निर्वाचन-क्षेत्र से निर्वाचित न होकर पूरे राष्ट्र से निर्वाचित होता है।

iv) केन्द्रीकरण की दृष्टि से - ब्रिटेन में दलों का स्वरूप केन्द्रीकरण की ओर झुका हुआ है। वहाँ दल के केंद्रीय संगठन और

और दल के नेता का अधिक प्रभाव है। अमेरिका में दलों के संगठन में केन्द्रीकरण का अभाव है। वहाँ केन्द्रीय संगठन उतना प्रभावी नहीं, जितना ब्रिटेन का केन्द्रीय संगठन है।

v) सतत क्रियाशीलता – ब्रिटेन में राजनीतिक दल प्रायः पूरे वर्ष क्रियाशील रहता है। उनके प्रत्याशियों को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों की सेवा में लगा रहना पड़ता है जबकि अमेरिका में ऐसा नहीं होता।

vi) शासन पर प्रभाव – ब्रिटेन में राजनीतिक दलों का शासन पर पूर्ण प्रभाव रहता है। ब्रिटिश मंत्रिमंडल सामूहिक रूप से कॉमन-सभा के प्रति उत्तरदायी होता है। जबकि अमेरिका में राष्ट्रपति या उसका मंत्रिमंडल कांग्रेस के किसी भी सदन के प्रति उत्तरदायी नहीं है।

vii) लूट-व्यवस्था – अमेरिका में दलीय पद्धति में लूट-व्यवस्था की प्रधानता है। वहाँ राष्ट्रपति पद में परिवर्तन होने पर व्हाइट-हाउस के सचिव पदाधिकारियों में भी परिवर्तन हो जाता है। दूसरी तरफ ब्रिटिश दल-व्यवस्था के अंतर्गत लूट-खसोट की व्यवस्था नहीं है। यहां मंत्रिमंडल में परिवर्तन होने के कारण स्थायी पदाधिकारियों में न तो परिवर्तन होता है और उनपर कोई प्रभाव ही पड़ता है।